www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 333 || लखनऊ
मंगलवार
10 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:21
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 03

विशेष समाचार | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर... >> पेज 02 | मकान-मालिक के घर मिली 14... >>पेज 04 | एनटीआर के फैंस ने हॉस्पिटल में की ...

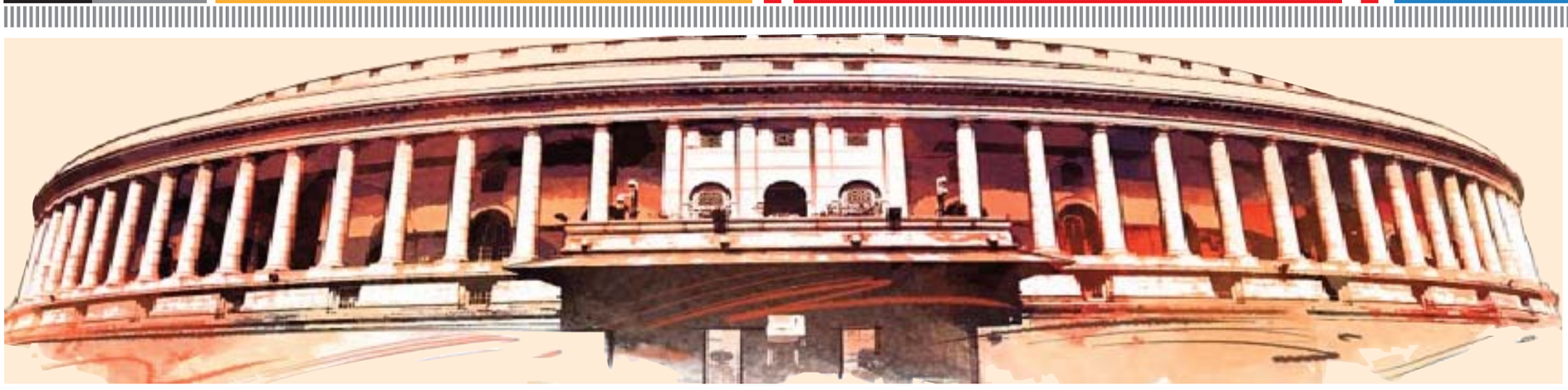

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

चर्चा की मांग, सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए।

>> (शेष पेज 04 पर)

जोशी बोले- विपक्ष चर्चा की मांग करता है, फिर हंगामा करता है

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- आज की काम की लिस्ट में साफ लिखा है कि हम इस पर चर्चा करेंगे। विपक्ष को प्रस्ताव लाना है। तो उसके सपोर्ट में 50 लोग खड़े होने चाहिए, आज जब चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने बार-बार कहा कि अगर आप प्रस्ताव लाना चाहते हैं।

> 66 विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा, '28 फरवरी से मिडिल ईस्ट में तनाव है। खाड़ी के कई देशों में हालात तनावपूर्ण हैं। बातचीत होनी चाहिए और तनाव कम होना चाहिए। हम भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गोयल बोले- कांग्रेस बहस से भाग रही

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख डिस्कशन के लिए सोच-विचार के बाद तय की गई थी।

राहुल बोले- पश्चिम एशिया के युद्ध से हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन हमारे कॉम्प्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री में इस पर चर्चा करने का साहस नहीं है। शेयर बाजार गिर रहा है, LPG की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी, घरेलू बजट और छोटे व मध्यम व्यवसायों पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है। उनके पास भारतीय जनता के हितों को बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मेरी बात याद रखिए, वे संसद में नहीं आएंगे।

विदेश मंत्री ने कहा- 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके, 6 बड़ी बातें

- मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं।
- ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं।
- हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।
- वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है। इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में, लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं।
- इजराइल-यूएस और ईरान के बीच लड़ाई जारी है, बल्कि कुछ खाड़ी देशों पर हमले भी हुए हैं। ईरान में लीडरशिप लेवल पर कई लोग मारे गए हैं, साथ ही इस इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर भी तबाह हुआ है।
- इस समय लीडरशिप लेवल पर ईरान के साथ कॉन्टैक्ट करना साफ तौर पर मुश्किल है। ईरान के विदेश मंत्री ने ईरानी वॉरशिप लावन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की इजाजत देने के भारत का शुक्रिया अदा किया है।

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, कालीघाट में पूजा की

लोगों ने गो-बैक के पोस्टर, काले झंडे दिखाए, बीजेपी की मांग- 3 फेज में ही कराएं चुनाव

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे। मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे। इधर, BJP के एक डेलीगेशन ने सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की फुल बेंच से मुलाकात की और मांग की कि 2026 का पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव तीन फेज में ही कराया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होने वाला है। 294 सीटों पर अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है। 2021 में TMC ने 215 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री चुनी गई थीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

कोलकाता पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने काफिले की गाड़ियों के पास जाने से रोका।

ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदेगा इंडोनेशिया

$200 मिलियन से $350 मिलियन की डील पर बातचीत जारी

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए भारत के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इंडोनेशिया डिफेंस मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को ये जानकारी दी। भारत और रूस की को-ओनरशिप वाली कंपनी ब्रह्मोस ने रॉयटर्स को बताया कि वह जकार्ता के साथ $200 मिलियन से $350 मिलियन की डील पर एडवांस्ड बातचीत कर रही है। रिको ने कहा कि यह एग्रीमेंट मिलिट्री हार्डवेयर और डिफेंस कैपेबिलिटीज़ के मॉडर्नाइजेशन का हिस्सा है। इससे पहले फिलीपींस ने भी ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदा था। 19 अप्रैल 2024: भारत ने फिलीपींस को भेजी थी ब्रह्मोस मिसालइ की पहली खेप, 3130 करोड़ में डील भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप 19 अप्रैल 2024 को सौंपी थी। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त

ग्वालियर। ग्वालियर हाईकोर्ट ने विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर दिया है। ग्वालियर बेंच के जस्टिस जी.एस. अहलूवालिया ने यह फैसला BJP नेता और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत की याचिका पर सुनाया। रावत अब विजयपुर विधानसभा सीट से नए MLA होंगे।

महाराष्ट्र में गोरक्षकों ने ट्रक हेल्पर को गोबर खिलाया

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में मुंबई बेंगलुरु हाइवे पर एक ट्रक के समुदाय विशेष हेल्पर को गो रक्षकों ने गोबर खाने के लिए मजबूर किया। साथ ही गोरक्षकों ने ट्रक के ड्राइवर पर भी हमला किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक घटना पिछले हफ्ते 6 मार्च की है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन आरोपियों ने कथित तौर पर ट्रक ड्राइवर और उसके हेल्पर पर हमला किया, यह आरोप लगाते हुए कि वे नकली कागजों पर भैंसों को ले जा रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में प्याज-लहसुन को तामसिक मानने की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने 5 पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (PIL)/जनहित याचिका फाइल की थीं। इनमें से एक कहा गया था कि प्याज और लहसुन में तामसिक या नेगेटिव एनर्जी होती है या नहीं इसके लिए रिसर्च की मांग की गई थी। इस पर सोमवार को सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने एडवोकेट सचिन गुप्ता को फटकार लगाई।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया, जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ़्लाइट 6E33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम (UK) के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ़्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था।

>> (शेष पेज 04 पर)

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल ने हमला किया था

टमिडिल ईस्ट में युद्ध तब शुरू हुआ जब अमेरिका और इज़राइल, दो सहयोगी देशों ने 28 फरवरी को ईरान पर मिलकर हमला किया, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे।

जनता दर्शन में सीएम योगी से मिले फरियादी

बच्चों से कहा- किताबें पढ़ें, सोशल मीडिया और मोबाइल का सीमित इस्तेमाल करें

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने लोगों से प्रार्थना पत्र लेकर भरोसा दिलाया कि सरकार सभी शिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोग निश्चिंत होकर घर जाएं, उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से जुड़ी हर शिकायत का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। जनता दर्शन के दौरान कुछ अभिभावक अपने बच्चों के साथ मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में बातचीत की। एक बच्चे से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ने की आदत डालें और सोशल मीडिया का उपयोग जरूरत भर ही करें। उन्होंने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए पढ़ाई और सकारात्मक गतिविधियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। एक बच्चे से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को किताबें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और सोशल मीडिया का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए बच्चों को पढ़ाई और सकारात्मक गतिविधियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

> मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बेहतर माहौल तैयार किया है और सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निवेश और उद्योग विकास से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा।

निवेश और उद्योग विकास में देरी स्वीकार नहीं

कार्यक्रम में दो उद्यमियों ने भी मुख्यमंत्री के सामने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान कुछ अभिभावक अपने बच्चों के साथ मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे।

रोक : सीबीआई अफसर के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक, मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई नहीं करने का आदेश

हाइकोर्ट का सभी 23 आरोपियों को नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (9 मार्च) को दिल्ली शराब नीति केस में पूर्व CM अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की CBI अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) मामले में ट्रायल कोर्ट आगे की सुनवाई तब तक टाल दे, जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर आगे सुनवाई न कर ले। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

प्रियंका कक्कड़ बोलीं - भाजपा माफी मांगे

वहीं इस मामले पर AAP नेता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, केजरीवाल पर सभी आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत थे। पीएम मोदी और अमित शाह को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा CBI और ED की ताकतों का गलत इस्तेमाल कर रही है।

जांच अधिकारी के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन पर भी रोक

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला ED की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को प्रभावित न करे। हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले CBI ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है। वहीं, बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए।

दिल्ली शराब नीति केस सीबीआई केस में 23 आरोपी बरी

बीजेपी का पोस्टर- आप के पाप अभी पाप धुले नहीं हैं

बीजेपी ने केजरीवाल-सिसोदिया के बरी होने के कुछ देर बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी किया, जिसमें लिखा है- आप के पाप अभी पाप धुले नहीं हैं।

डिलीवरी के 25-दिन बाद ही अब दूसरा सिलेंडर बुक होगा

सरकार ने 4 दिन समय बढ़ाया, ईरान जंग के बीच जमाखोरी रोकने के लिए फैसला

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा था कि जरूरत न होने पर भी लोग सिलेंडर बुक करके स्टॉक कर रहे थे। सरकार का मानना है कि वेटिंग पीरियड को 25 दिन करने से बेवजह की बुकिंग पर लगाम लगेगी। पैनिक बुकिंग की वजह से डिमांड में अचानक आए उछाल को देखते हुए शुक्रवार को तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड लागू किया था।

ऑनलाइन बुकिंग करके देखने पर एजेंसी का मैसेज यही आ रहा है कि डिलीवरी के 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक किया जा सकता है।

सम्पादकीय

राष्ट्रपति का अनादर, पश्चिम बंगाल सरकार पर उठे सवाल

किसी की भी अनदेखी-उपेक्षा उसका अनादर ही होता है। पश्चिम बंगाल के दौरे पर गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ऐसा ही हुआ। चूंकि उन्होंने इसे लेकर अपनी आपत्ति और पीड़ा प्रकट की, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वास्तव में उनके लिए निर्धारित प्रोटोकाल का उल्लंघन किया गया। यह इससे सिद्ध भी होता है कि उनके कार्यक्रम स्थल में बार-बार बदलाव किया गया और अंततः उसका आयोजन ऐसी जगह किया गया, जहां लोगों को पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। इससे भी खराब बात यह रही कि बदले हुए आयोजन स्थल पर जा रहे लोगों को इस आधार पर प्रवेश करने से रोका गया कि उनके पास आवश्यक निमंत्रण पत्र नहीं हैं, लेकिन वे तो वितरित ही नहीं किए गए थे। स्पष्ट है कि बंगाल सरकार में कोई यह चाहता था कि राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम सफल न होने पाए। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि आदिवासियों के जिस कार्यक्रम में आदिवासी समाज की राष्ट्रपति को सम्मिलित होना था, उसमें बाधाएं खड़ी की गईं। उनकी किस हद तक अनदेखी की गई, इसका एक प्रमाण यह भी है कि आयोजन स्थल पर उनके लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे कि शौचालय आदि की व्यवस्था तक नहीं की गई। राष्ट्रपति जिस तरह पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर गईं, उससे उन्होंने बंगाल प्रशासन की पोल ही खोली, क्योंकि उन्होंने पाया कि वहां पर कहीं अधिक लोगों के एकत्रित होने के लिए पर्याप्त स्थान था। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनका प्रशासन यह समझता कि राष्ट्रपति के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ, लेकिन वे राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा करने में लग गईं। उन्होंने उन पर यह आरोप भी जड़ दिया कि वे भाजपा के इशारे पर राजनीति कर रही हैं। आखिर आदिवासियों के सम्मेलन में आदिवासी समाज की ही राष्ट्रपति का जाना दलगत राजनीति का विषय कैसे हो गया? यह समझ आता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठे होने के कारण राष्ट्रपति की अगवानी के लिए नहीं पहुंच सकीं, लेकिन वे अपनी ओर से किसी मंत्री को तो इस कार्य के लिए नियुक्त कर ही सकती थीं। प्रोटोकाल भी यही कहता है और इसके कई उदाहरण हैं कि जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री उपस्थित नहीं हो पाते तो वे अपने किसी मंत्री को उनके स्वागत के लिए भेजते हैं। कोई नहीं जानता कि ममता बनर्जी को अपनी जगह किसी मंत्री को राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए भेजने में क्या कठिनाई थी? जो भी हुआ, अच्छा नहीं हुआ। राष्ट्रपति के किसी दौरे को दलगत राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और वे जिस आदर एवं सम्मान की अधिकारी हैं, वह उन्हें प्रदान किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान ! नहीं सहेगा हिंदुस्तान

> “मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते हैं और राज्य का अपमान करते हैं।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कोलकाता के मेयर मौजूद थे, जबकि वह खुद लोगों के अधिकारों को लेकर धरने में शामिल थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार के बीच अक्सर टकराव देखने को मिलता है, जिसे लेकर भाजपा उन पर केंद्र का अपमान करने के आरोप लगाती रही है। हाल ही में, सिलीगुड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान हुए कथित कुप्रबंधन और उनसे न मिलने के आरोपों को लेकर भाजपा ने ममता पर संविधान के अपमान का आरोप लगाया, जिसे ममता ने भाजपा की राजनीतिक साजिश बताया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान उनके स्वागत और प्रोटोकॉल को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चर्चा इस बात को लेकर है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न तो स्वयं राष्ट्रपति के स्वागत के लिए पहुंचीं और न ही अपनी ओर से किसी मंत्री को नामित किया। प्रोटोकॉल के जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री का खुद मौजूद रहना अनिवार्य नहीं होता लेकिन परंपरा और शिष्टाचार के तहत उनकी अनुपस्थिति में किसी मंत्री को स्वागत के लिए भेजा जाता है। ऐसा पहली बार नहीं है कि ममता ने केंद्र सरकार व उसके मंत्रियों का अपमान किया हो । इसके पहले कही ही कई उदाहरण है जैसे पीएम की बैठकों में न जानाः चक्रवात के दौरान या कोविड समीक्षा बैठकों में ममता बनर्जी द्वारा समय पर न पहुँचने या बैठक बीच में छोड़कर जाने जैसी घटनाओं को केंद्र सरकार ने 'सहकारी संघवाद' के खिलाफ और अपमानजनक माना है। सीबीआई और केंद्रीय एजेंसियों को रोकनाः राज्य में सीबीआई की कार्यवाही को रोकने या केंद्रीय जांच एजेंसियों को राज्य में आने से पहले अनुमति अनिवार्य करने के फैसलों को भी केंद्र के प्रति अविश्वास और असंवैधानिक रवैया माना गया। ✓ राज्यपाल के साथ टकरावः पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के साथ उनका निरंतर टकराव भी केंद्र-राज्य संबंधों में खटास और अपमान के तौर पर देखा गया। गोरतलब है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे से जुड़ी

व्यवस्थाएं गृह मंत्रालय की ब्लू बुक के तहत तय होती हैं। इसी दस्तावेज में वीवीआईपी दौरों के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत की पूरी व्यवस्था का उल्लेख होता है।इस दस्तावेज में इन वीवीआईपी के दौरे के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत से जुड़े सभी दिशा-निर्देश तय होते हैं। इसकी क्रमांकित प्रतियां संबंधित अधिकारियों को दी जाती हैं और जिला स्तर पर यह जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रमुख के पास रहती है। क्या होता है राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल प्रोटोकॉल के अनुसार आम तौर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री इन गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हैं। यदि मुख्यमंत्री उपलब्ध न हों, तो वे अपने किसी मंत्री को इसके लिए नामित करते हैं।प्रोटोकॉल अधिकारियों के अनुसार, इन दौरों से पहले यह सूची तैयार कर ली जाती है कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या राज्य की सीमा पर कौन-कौन गणमान्य व्यक्ति स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। यह सूची राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के कार्यालय को भेजी जाती है और उनकी मंजूरी के बाद ही अंतिम व्यवस्था तय होती है। ममता का न आना यह पहली बार नहीं है । ऐसे कई मौके रहे हैं जब मुख्यमंत्री किसी कारण से स्वागत के लिए मौजूद नहीं हो पाए, लेकिन उन्होंने अपने किसी मंत्री को नामित किया। उदाहरण के तौर पर, सितंबर 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मथुरा दौरे के दौरान न तो राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद थीं और न ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उस समय मुख्यमंत्री योगी ने अपने मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को राष्ट्रपति के स्वागत के लिए भेजा था।इसी तरह, उत्तर प्रदेश में 2014 से 2017 के बीच जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आते थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपलब्ध नहीं होते थ तो वे अपने किसी मंत्री को स्वागत के लिए नामित कर देते थे। यही व्यवस्था उस समय के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के दौरों के दौरान भी अपनाई गई थी। पश्चिम बंगाल में अब तक ऐसा उदाहरण कम ही देखने को मिला है जब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का स्वागत न तो मुख्यमंत्री ने किया हो और न ही किसी मंत्री ने। मई 2021 में चक्रवात यास के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य दौरे के दौरान भले ही ममता बनर्जी ने उनकी अध्यक्षता वाली समीक्षा बैठक में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन वह एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने जरूर पहुंची थीं। प्रोटोकॉल से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ब्लू बुक के नियम काफी सख्त होते हैं और इनमें मामूली विचलन भी कई स्तरों पर सवाल खड़े कर सकता है। ऐसे में राष्ट्रपति के स्वागत को लेकर बंगाल में पैदा हुआ यह विवाद राजनीतिक और प्रोटोकॉल दोनों ही स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। क्या है पूरा विवाद उसे भी जानना जरुरी है । बत्ताया जाता है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आदिवासी समुदाय के वार्षिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जो मूल रूप से बिधाननगर में आयोजित होने वाला था। हालांकि, सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी अन्य कारणों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बिधाननगर की जगह बागडोगरा हवाई अड्डे के पास गोशैपुर में कार्यक्रम आयोजित किया।राष्ट्रपति शनिवार दोपहर जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो वहां केवल कुछ ही लोग उपस्थित थे। सिलीगुड़ी के महापौर गौतम देब हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए मौजूद थे। इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन की तरह हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। मुझे नहीं पता कि वह नाराज हैं या नहीं। खैर, यह महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम का स्थल बदलने पर भी सवाल उठाया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अगर कार्यक्रम बिधाननगर में होता, तो बेहतर होता। वहां काफी जगह थी और काफी लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां कार्यक्रम की अनुमति क्यों नहीं दी। आज का कार्यक्रम ऐसे स्थान पर हो रहा है, जहां लोगों के लिए आना मुश्किल है।

अशोक भाटिया

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता होने के कारण है। नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं, वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी

आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी। हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं।

सौरभ वार्ष्णेय

जन सुराज का...

गजेंद्र सिंह

पश्चिमी शक्ति-संरचनाओं के यौन शोषण और मानव तस्करी का खेल

सोशल मीडिया पर हाल के दिनों में वायरल हो रहे 'एप्सटीन फ़ाइल्स' के दृश्य—डरे हुए नाबालिगों के चेहरे, वर्षों पुराने ईमेल संवाद, और निजी द्वीपों पर जुटती वैश्विक एलीट की बंद मंडलियाँ—किसी सस्पेंस थ्रिलर का हिस्सा नहीं लगते। वे हमारे समय के उस अंधेरे यथार्थ की झलक देते हैं, जहाँ सत्ता, धन और प्रभाव नैतिक उत्तरदायित्व से लगभग पूरी तरह अलग हो चुके हैं। ये दृश्य केवल भय नहीं जगाते; वे उस असहज सच्चाई की ओर संकेत करते हैं कि आधुनिक लोकतंत्रों में भी कुछ अपराध ऐसे हैं, जिन्हें देखने के बाद भी व्यवस्था देखने से इंकार कर देती है। हाल सार्वजनिक हुई फाइलों—ईमेल संवाद, वीडियो रिकॉर्डिंग, तस्वीरें और अदालती दस्तावेज़—से एक ऐसे नेटवर्क की तस्वीर उभरती है जो दशकों तक फैला रहा। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इनमें 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेज़, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन और अमेरिका न्याय विभाग की रिपोर्टों के अनुसार, पिछले दो दशकों में 1,000 से अधिक पीड़ितों ने एप्सटीन और उससे जुड़े नेटवर्क के विरुद्ध यौन शोषण के आरोप लगाए। 2020 तक उसकी संपत्ति से स्थापित पीड़ित मुआवज़ा कोष के माध्यम से लगभग 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया। मुआवज़ा अपने

आप में अपराध का कानूनी प्रमाण नहीं होता, लेकिन यह संकेत अवश्य देता है कि शिकायतें महज़ कल्पना नहीं थीं। अमेरिकी नागरिक उड्डयन रिकॉर्ड्स यह भी बताते हैं कि उसके निजी विमान—कुख्यात 'लोलिता एक्सप्रेस'—ने दो दशकों में सैकड़ों उड़ानें भरीं। प्रश्न यह नहीं है कि इन यात्राओं में कौन-कौन शामिल था बल्कि यह है कि यह सब इतने वर्षों तक सबकी आँखों के सामने कैसे चलता रहा। जेफ्री एप्सटीन का मामला नया नहीं है। 2019 में न्यूयॉर्क की मेट्रोपॉलिटन करेक्शनल सेंटर में उसकी रहस्यमय मृत्यु के साथ ही यह उम्मीद भी लगभग समाप्त हो गई थी कि पश्चिमी विश्व की शक्ति-संरचनाओं के भीतर छिपे यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क पूरी तरह उजागर हो सकेंगे। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा गया, किंतु निगरानी कैमरों का निष्क्रिय होना, सुरक्षा कर्मियों की कथित लापरवाही और सह-आरोपियों पर निर्णायक कार्रवाई का अभाव—इन सबने इस मृत्यु को एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही की मृत्यु में बदल दिया। अमेरिकी अदालतों में दर्ज आरोपों के अनुसार, एप्सटीन पर कम-से-कम 200 से अधिक नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। इसके बावजूद 2008 में उसे जिस विवादास्पद प्ली डील के तहत बेहद सीमित सज़ा दी गई, उसे आज अमेरिकी न्याय प्रणाली की सबसे बड़ी नैतिक विफलताओं में गिना जाता है। मियामी हेराल्ड की 2018 की खोजी रिपोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इस समझौते ने दर्जनों पीड़िताओं को कानूनी प्रक्रिया से बाहर कर दिया और अभियोजन एजेंसियों ने प्रभावशाली हितों के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। एप्सटीन फ़ाइल्स में जिन व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं—जैसे बिल गेट्स, बिल क्लिंटन, डोनाल्ड ट्रम्प, स्टेफन हाकिंग, नोआम चोम्स्की, मीरा नायर , दीपक चोपड़ा, बराक ओबामा - अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण प्रभाव के प्रतीक रहे हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी नाम का उल्लेख होना, आपराधिक दोष सिद्ध होने के बराबर नहीं है। कई नाम केवल संपर्क, यात्रा या ईमेल संदर्भों में आए हैं; अधिकांश पर कोई आपराधिक सज़ा नहीं हुई है और कई ने सार्वजनिक रूप से इन आरोपों या संबंधों का खंडन भी किया है। न्याय विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नए और ठोस साक्ष्य के बिना आरोप तय नहीं किए जाएंगे। यह सावधानी आवश्यक है, क्योंकि सार्वजनिक विमर्श न्यायिक प्रक्रिया का स्थान नहीं ले सकता। फिर भी, यह तर्क भी पर्याप्त नहीं कि "कुछ सिद्ध नहीं हुआ, इसलिए प्रश्न ही न उठाए जाएँ।" लोकतांत्रिक समाज में जवाबदेही का अर्थ केवल सज़ा नहीं, बल्कि पारदर्शिता, नैतिक साहस और संस्थागत आत्मनिरीक्षण भी है। इस पूरे प्रकरण में सबसे कम सुनी गई आवाज़ें पीड़ितों की हैं। यौन अपराधों में शक्ति-संतुलन निर्णायक भूमिका निभाता है—और यही कारण है कि ऐसे अपराध लंबे समय तक दबे रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार, मानव तस्करी के कुल पीड़ितों में लगभग 38 प्रतिशत नाबालिग होते हैं। जब अपराधी के पास धन, संपर्क और संरक्षण हो, तो पीड़ित के लिए न्याय तक पहुँचना और भी कठिन हो जाता है। यह मामला केवल अपराध का नहीं, बल्कि सत्ता के मनोविज्ञान का भी है। समाजशास्त्र और मनोविज्ञान दोनों बताते हैं कि जब सफलता, धन और प्रभाव एक बिंदु पर एकत्र हो जाते हैं, तो अधिकार की भावना —यानी स्वयं को नियमों से ऊपर समझने की भावना—मज़बूत होती है। सीमाएँ तुच्छ लगने लगती हैं, और सामान्य सुख अपर्याप्त। व्यक्ति "अगले स्तर" की तलाश में जोखिम, विकृति और हिंसा को भी उपभोग की वस्तु बना लेता है। इस संदर्भ में एप्सटीन का निजी द्वीप केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि असीमित पहुँच और सीमाहीन इच्छाओं का प्रतीक बन जाता है।

यामी गौतम ने...

सुभाष शिरढोनकर

'धुरंधरः द रिवेंज' के कैमियो में नजर आएंगी यामी गौतम

आदित्य धर की आर्मी बेकग्राउंड पर बनी एक्शन बेस्ड फिल्म 'धुरंधर' साल 2025 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाते हुए 1000 करोड़ से अधिक का बिजनेस किया। अब ऑडियंस को इसके अगले पार्ट 'धुरंधरः द रिवेंज' का बेसब्री से इंतजार है। इस बार इस सीक्वल फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' में सारा अर्जुन के अलावा निर्देशक आदित्य धर की एक्ट्रेस बीवी यामी गौतम भी एक बेहद अहम रोल में नजर आने वाली हैं। यामी ने 4 जून, 2021 को 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइकल' (2019) के डायरेक्टर आदित्य धर से शादी की। 10 मई, 2024 को वह बेटे वेदविद की मां बनी। खबरों की माने तो यामी ने 'धुरंधरः द रिवेंज' में अपने किरदार के लिए 5 दिनों की शूटिंग खत्म भी कर चुकी है। फिल्म में उनका एक बेहद दमदार कैमियो बताया जा रहा है और अब यह फिल्म रिलीज हेतु पूरी तरह तैयार है। यामी गौतम फिल्म 'काबिल' (2017) में इंसाफ की लड़ाई लड़ने वाली महिला, 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' (2019) में इंटेलीजेंस ऑफीसर के शानदार किरदारों के अलावा 'ए थर्सडे' (2022) और 'आर्टिकल 370' (2024) जैसी फिल्मों के अपने किरदारों के जरिए एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'हक' (2025) में शाजिया बानो के किरदार के जरिए भी यामी गौतम दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर चुकी हैं। इस फिल्म में उनका किरदार दृढ़, ईमानदार और भावनाओं से भरा था। उम्मीदों के मुताबिक, इस फिल्म में यामी गौतम फिल्म की कहानी की आत्मा बनकर सामने आईं। फिल्म 'हक' (2025) में लोगों ने यामी गौतम की हर छोटी-बड़ी प्रतिक्रिया को महसूस किया। इस फिल्म में यामी को देखकर स्पष्ट हो गया कि वे केवल शोर-शराबे वाली फिल्मों से परे, ऐसी कहानी चुनती हैं जो दर्शकों को सोचने और महसूस करने पर मजबूर करे। वैसे तो यामी गौतम ऑडियंस के सामने हमेशा एक असरदार नायिका की छवि के साथ सामने आती रही हैं। लेकिन फिल्म 'हक' (2025) में उनका अभिनय दृढ़ता, ईमानदारी और भावनात्मक स्पष्टता पर टिका हुआ नजर आता है। इस फिल्म ने उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे प्रभावशाली और भरोसेमंद एक्ट्रेसों की फैहरिस्त में स्थायी जगह दी है। यामी गौतम ने कन्नड़ फिल्म, 'उल्लासा उत्साहा' (2009) से फिल्मों में डेब्यू किया था। उसके बाद पंजाबी फिल्म 'एक नूर' (2011) और तेलुगु फिल्म 'नुव्वीला' (2011) करने के बाद उन्होंने फिल्म 'विक्की डोनर' (2012) से हिंदी सिने जगत में करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में वे आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आई थीं। इस पहली हिंदी फिल्म के बाद मिले तमाम ऑफर्स में से फीमेल ओरिएंटेड रोल्स चुनते हुए यामी ने अपने टैलेंट के दम पर इस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पहचान बनाई। यामी गौतम अपनी खूबसूरती के साथ-साथ हमेशा अपनी एक्टिंग से सभी को इंप्रेस करती आई हैं। अपने किरदार के जरिए हर बार यामी ने लोगों के दिलों-दिमाग पर गहरी छाप छोड़ी हैं। फैंस उनकी एक्टिंग के दीवाने हैं और उनके प्रति फैंस की यही दीवानगी 'धुरंधरः द रिवेंज' को ' धुरंधर' (2025) से भी बड़ी हिट बनायेगी।

जरा हटके

इसके बाद संयुक्त...

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

मध्य-पूर्व संकट और और उसका वैश्विक भू-राजनीतिक प्रभाव

अमेरिका और ईरान के बीच टकराव की जड़ें परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय शक्ति सन्तुलन तथा मध्य-पूर्व की राजनीति में निहित हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम 1950 के दशक में शुरू हुआ था, लेकिन 2002 में गुप्त परमाणु प्रतिष्ठानों के उजागर होने के बाद अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की चिन्ता बढ़ गई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और यूरोपीय देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबन्ध लगाए। 2015 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी ने ईरान के साथ जॉइंट कॉम्प्रिहेन्सिव प्लान ऑफ एक्शन(JCPOA) समझौता किया जिसके तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण स्वीकार करने पर सहमति दी। इसके बदले उस पर लगे कई आर्थिक प्रतिबन्ध हटाए गए किन्तु 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका को इस समझौते से अलग कर लिया और ईरान पर फिर से कठोर प्रतिबन्ध लगा दिए, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया।इसके बाद फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमले, इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर रॉकेट हमले तथा क्षेत्रीय संघर्षों ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया। 7 अक्टूबर 2023 को गाज़ा से शुरू हुआ यह संकट अब मध्य-पूर्व में एक व्यापक युद्ध का रूप ले चुका है। हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुई सैन्य कार्रवाई ने धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र को ध्रुवीकृत कर दिया और इज़रायल-हमास संघर्ष ईरान-इज़रायल टकराव में बदलने लगा। इज़रायल का आरोप रहा है कि हमास, हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती जैसे समूहों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। गाज़ा युद्ध के बाद लेबनान

सीमा पर झड़पें, लाल सागर में जहाजों पर हमले और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया। अन्ततः 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों के साथ यह झड़प एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गई। मध्य-पूर्व में प्रति दिन बड़ी तेजी से स्थितियाँ बदल रही हैं। अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों के साथ-साथ लेबनान में हिज़्बुल्लाह के गढ़ों पर व्यापक हवाई हमले किए जिससे भारी तबाही और बड़े पैमाने पर जन-विस्थापन हुआ। विशेष रूप से बेरूत के दक्षिणी क्षेत्रों में इज़रायली हमलों के कारण लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।ट्रम्प अब यह कह रहे हैं कि इस सैन्य अभियान का अन्त केवल ईरान के "बिना शर्त आत्मसमर्पण" से ही सम्भव है। वस्तुतः यह युद्ध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसके हमलों का लक्ष्य ईरान के मिसाइल ठिकाने, सैन्य कमांड केंद्र और हिज़्बुल्लाह के सैन्य ढांचे हैं। इसके जवाब में ईरान ने क्षेत्रीय प्रतिक्रिया देते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनका लक्ष्य इज़रायल और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे। कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों में भी हमले किए गए क्योंकि वहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इससे पूरा मध्य-पूर्व क्षेत्र युद्ध की चपेट में आता दिखाई दे रहा है।इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोग मारे गए और घायल हुए हैं, जबकि तेल आपूर्ति, अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों और वैश्विक बाजारों पर भी असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और कई अन्तर्राष्ट्रीय नेताओं ने इस संकट को रोकने और तनाव कम करने की अपील की है, क्योंकि यदि युद्ध लम्बा चला तो इसका प्रभाव पूरे विश्व की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर पड़ सकता है। इस युद्ध का सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक आयाम फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा व्यापार की बड़ी कड़ी माना जाता है। यह संकीर्ण जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशोंसऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरातके तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है। यहाँ से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल तेल, यानी विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा, इसी मार्ग से होकर गुजरता है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव तुरन्त वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है। यदि युद्ध के कारण इस मार्ग की सुरक्षा पर खतरा बढ़ता है या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होती है, तो अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हो सकती है। इसका प्रभाव केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक महँगाई, परिवहन लागत और आर्थिक स्थिरता पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने केवल तेल आपूर्ति ही नहीं बल्कि वैश्विक डिजिटल अवसंरचना के लिए भी गम्भीर संकट पैदा कर दिया है। विशेष रूप से फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के आसपास समुद्र के नीचे बिछी इन्टरनेट केबलों की सुरक्षा को लेकर चिन्ता बढ़ गई है। यह क्षेत्र वैश्विक तेल परिवहन के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय डाटा संचार का भी एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है। कई प्रमुख फाइबर-ऑप्टिक केबलें इसी समुद्री मार्ग से गुजरती हैं जो भारत सहित एशिया और मध्य-पूर्व के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी का आधार बनाती हैं। ईरान इस क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकता है। निःसंदेह इससे वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था और संचार नेटवर्क प्रभावित होगा। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं और इस क्रम में रूस और चीन दोनों की भूमिका भी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह युद्ध जितना लम्बा खिचेगा उसका फायदा रूस और चीन को मिलेगा क्योंकि रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ यूक्रेन युद्ध के कारण टकराव की स्थिति में है, इसलिए मध्य-पूर्व में उत्पन्न संकट उसके लिए कूटनीतिक अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे उसे यूक्रेन पर बढ़त मिलेगी। रूस प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए ईरान को राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन या तो कर रहा है या करेगा, साथ ही संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर अमेरिकी नीतियों का विरोध भी करेगा।

लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

भारत टी-20 में तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन, न्यूजीलैंड को हराया

अहमदाबाद, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का एक विज्ञापन आया। इसमें रोहित कहते नजर आए- 'टीम इंडिया हिस्ट्री रिपीट भी करेगी और टीम इंडिया हिस्ट्री डिफीट भी करेगी।' सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर हिस्ट्री रिपीट भी की और हिस्ट्री डिफीट भी की। अभिषेक के आउट होने के बाद ईशान किशन क्रीज पर आए। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इस जोड़ी ने 48 बॉल पर 105 रन जोड़े। इसकी मदद से टीम इंडिया का स्कोर 15 ओवर में 200

के पार पहुंच गया। 256 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 52 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। फिन एलन (9 रन), रचिन रवींद्र (एक रन) और ग्लेन फिलिप्स (5 रन) जल्दी आउट हो गए। शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बावजूद ओपनर टिम साइफर्ट ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 26 बॉल पर 52 रन की पारी भी खेली। उनके अलावा कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन बनाए, लेकिन टीम की हार नहीं टाल सके। टीम 19 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। फाइनल मुकाबले में 15 रन देकर 4 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं, 5 मैच में 3 फिफ्टी के सहारे 321 रन बनाने वाले संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

एक समय लग रहा था कि भारतीय टीम 20 ओवर में 300 रन का आंकड़ा पार कर लेगी। हालांकि, 16वां ओवर लेकर आए जिमी नीशम ने एक ओवर में 3 विकेट लेकर रन रेट पर ब्रेक लगा दिया। उन्होंने पहली बॉल पर संजू सैमसन (89 रन), 5वीं बॉल पर ईशान किशन (54 रन) और आखिरी बॉल पर कप्तान सूर्यकुमार यादव (जीरो) को पवेलियन भेजा।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया।

इस ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले की शुरुआत भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तानों के साथ हुई।

2007 के टी-20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी और 2024 के टी-20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान रोहित शर्मा ट्रॉफी लेकर मैदान में आए। भारतीय ओपनर्स ने 98 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

इसे रचिन रवींद्र ने अभिषेक शर्मा को कैच आउट कराकर तोड़ा। अभिषेक 21 गेंदों में 52 रन बनाकर आउट हो गए। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है।

3 इतिहास बदले

पहला: पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।

दूसरा: पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।

तीसरा: पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई

मैच का टॉस न्यूजीलैंड ने जीता और कप्तान मिचेल सैंटनर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय ओपनर्स ने पावरप्ले के अंदर सैंटनर के फैसले को गलत साबित कर दिया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 92 रन बना डाले।

फास्ट न्यूज

सलमान के गाने पर थिरकीं ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन हाल ही में एक शादी समारोह में शामिल हुए। मुदित अडाणी और अनन्या की इस वेडिंग सेरेमनी से ऐश्वर्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में ऐश्वर्या राय, रिलायंस इंडस्ट्रीज की चेयरपर्सन नीता अंबानी के साथ सलमान खान की फिल्म के मशहूर गाने 'सलाम-ए-इश्क' पर डांस करती नजर आ रही हैं।

ईरान जंग का 10वां दिन, 1700 से ज्यादा मौतें

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज दसवां दिन है। इस जंग में अब तक 1700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों घायल हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। ईरान और इजराइल लगातार एक दूसरे के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ सिविलियन इलाकों को भी निशाना बना रहे हैं। इस वजह से आम लोगों को जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इजराइल, लेबनान में भी ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है। युद्ध की तबाही और डर के बीच आम नागरिकों की जिंदगी कैसे प्रभावित हो रही है कुवैत की राजधाकी कुवैत सिटी में शनिवार रात ईरानी ड्रोन अटैक के बाद एक बिल्डिंग में आग लग गई। ईरान ने शनिवार रात इजराइल पर क्लस्ट बम से हमला किया।

सोना ₹817 बढ़कर ₹1.60 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में लगातार तीन दिन गिरावट के बाद आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 817 रुपए बढ़कर 1.60 लाख पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 1.58 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 2,080 रुपए बढ़कर 2.63 लाख पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी।

एनटीआर के फैंस ने हॉस्पिटल में की तोड़फोड़

उद्घाटन करने पहुंचे एक्टर को देखने उमड़ी भीड़, अफरा-तफरी मची

बेंगलुरु, एजेंसी

साउथ फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर के बेंगलुरु दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी मच गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। हॉस्पिटल उद्घाटन में पहुंचे थे अभिनेता जानकारी के अनुसार 8 मार्च को जूनियर एनटीआर बेंगलुरु स्थित KIMS Super Speciality Hospital के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। उनके आने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में फैंस अस्पताल परिसर में पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ बेकाबू होने लगी। जूनियर एनटीआर से पहले अल्लू अर्जुन और थलापति विजय की रैली में भी बड़े हादसे हो चुके हैं। बीते साल सितंबर थलापति की एक पॉलिटिकल रैली में भगदड़ होने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग में अल्लू अर्जुन के अचानक हैदराबाद के संध्या थिएटर पहुंचने से

66 अभिनेता के पहुंचते ही फैंस उनके करीब जाने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे और इस दौरान जूनियर एनटीआर कुछ समय के लिए भीड़ में फंस गए। सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय प्रशासन की मदद से काफी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

भी भीड़ बेकाबू हो गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। जबकि कई घायल थे। घटना के बाद अल्लू अर्जुन के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी।

हंगामे में एस्केलेटर भी टूटा

अफरा-तफरी के दौरान कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में लगे एस्केलेटर को नुकसान पहुंचा दिया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज किया गया।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

इससे पहले भी फिल्मी सितारों के कार्यक्रमों में भीड़ बेकाबू होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। साउथ स्टार अल्लू अर्जुन और थलापति विजय के कार्यक्रमों में भी भीड़ के कारण बड़े हादसे हो चुके हैं। फिल्म Pushpa 2: The Rule की स्क्रीनिंग के दौरान अल्लू अर्जुन के हैदराबाद के एक थिएटर पहुंचने पर भी भीड़ बेकाबू हो गई थी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हुए थे।

हेलेन और मुकेश खन्ना समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे

करणवीर बोहरा के पिता महेंद्र बोहरा की प्रेयर मीट

मुंबई। मुंबई के खार इलाके में रविवार को टीवी एक्टर करणवीर बोहरा के पिता और फिल्म प्रोड्यूसर महेंद्र बोहरा की प्रेयर मीट रखी गई। महेंद्र बोहरा के निधन के बाद परिवार और करीबी लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। प्रेयर मीट में कई फिल्म और टीवी जगत की हस्तियां नजर आईं। एक्ट्रेस हेलेन और एक्टर मुकेश खन्ना समेत कई सेलेब्स पहुंचे और दिवंगत महेंद्र बोहरा को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि महेंद्र बोहरा लंबे समय से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। उन्होंने प्रोड्यूसर के तौर पर तेजा और प्यार का कर्ज जैसी फिल्मों में काम किया था। महेंद्र बोहरा के निधन की जानकारी बेटे करणवीर

ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। करणवीर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर पिता को याद करते हुए लिखा था, "लव यू डैड। मैं आपको शब्दों से ज्यादा मिस करूंगा। जिसने भी अपने माता-पिता को खोया है, वह जानता है कि यह दर्द कैसा होता है, लेकिन इस दुख के बीच मुझे सुकून है कि आपने एक अच्छी और पूरी जिंदगी जी।"

पॉप सिंगर रिहाना के घर पर हुई फायरिंग

बेवर्ली हिल्स वाले घर पर महिला ने चलाईं 10 गोलियां

मुंबई, एजेंसी

हॉलीवुड की मशहूर पॉप सिंगर रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना सामने आई है। इस घटना में रिहाना सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ है। लॉस एंजिल्स पुलिस ने इस मामले में एक 30 साल की महिला को हिरासत में लिया है। लॉस एंजिल्स पुलिस के मुताबिक, यह घटना कैलिफोर्निया (अमेरिका) के समय के अनुसार रविवार दोपहर करीब 1:21 बजे हुई। रिहाना के बेवर्ली हिल्स स्थित घर के गेट के सामने, सड़क के दूसरी तरफ खड़ी एक गाड़ी से 10 गोलियां चलाई गईं। लॉस एंजिल्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक गोली घर की दीवार को चीरते हुए आर-पार हो गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध महिला को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब घर के बाहर गोलियां चल रही थीं, तब रिहाना अपने घर

के अंदर ही मौजूद थीं। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस अभी इस बात की जांच कर रही है कि महिला ने रिहाना को ही निशाना बनाया था या इसके पीछे कोई और वजह थी। फिलहाल रिहाना की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सिर्फ मुंबई ही नहीं, गैंगस्टर्स ने विदेश में भी भारतीय सितारों को निशाना बनाया है। कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर तीन बार फायरिंग की गई थी।

विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी सीनेटर ग्राहम और नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया

तेहरान/वॉशिंगटन:

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका कहना है कि इस पूरे मामले में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भूमिका रही है। अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि लिंडसे ग्राहम ने बेंजामिन नेतन्याहू को यह सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए किस तरह मना सकते हैं। अराघची के मुताबिक किसी भी देश में ऐसी गतिविधि को देशद्रोह जैसा माना जा सकता है। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक मिसाइल गिरने से आवासीय इमारत को नुकसान पहुंचा और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिका के एक वरिष्ठ कैथोलिक धर्मगुरु कार्डिनल ब्लेज़ क्यूपिच ने

व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक वीडियो मोंटाज को "भयावह" और "घिनौना" बताया है। यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर "Justice the American way" कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया था। लगभग 42 सेकंड के इस वीडियो में हॉलीवुड फिल्मों के दृश्यों को ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के वास्तविक फुटेज के साथ मिलाकर दिखाया गया था। जो पोप लियो XIV के करीबी कार्डिनल क्यूपिच ने अपने बयान में कहा- एक असली युद्ध, जिसमें असली मौत और असली पीड़ा है, उसे वीडियो गेम की तरह पेश करना बेहद घिनौना है।

इजराइल में कई बार हुई मुलाकातें

अराघची के अनुसार, हाल के हफ्तों में लिंडसे ग्राहम कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री का दावा है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी साझा नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी करने की कोशिश की गई।

रडार सिस्टम को निशाना बनाने का दावा

इससे पहले Islamic Revolutionary Guard Corps ने दावा किया था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना भी इसी इलाके में सामने आई है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सऊदी अरब में मिसाइल हमले में भारतीय की मौत

इसी बीच सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में एक रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार इस हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए हैं।

रुपया 92.28 के ऑलटाइम लो पर पहुंचा, कच्चा तेल 10 दिन में 60% चढ़ा

ईरान जंग से सेंसेक्स 1800 अंक गिरकर 77,200 पर

मुंबई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 9 मार्च को बड़ी गिरावट है। सेंसेक्स करीब 1800 अंक (2.20%) नीचे 77,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 550 अंक (2.20%) की गिरावट है, ये 23,900 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयरों में ज्यादा बिकवाली है। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़ी जंग से निवेशकों की वेल्थ 25 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घट गई है। जंग शुरू होने से पहले यानी 27 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप 4.63 लाख करोड़ था।

एशियाई बाजारों में गिरावट

- साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 7% चढ़कर 5,166 पर कारोबार कर रहा।
- जापान का निक्केई 3,880 अंक या 7% चढ़कर 51,740 पर कारोबार कर रहा।
- हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 676 अंक या 3% चढ़कर 25,081 पर कारोबार कर रहा।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 47 अंक या 1% ऊपर 4,075 पर कारोबार कर रहा।

चांदी 2000 हजार और सोना 800 रुपए महंगा

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 9 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 800 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 2000 रुपए बढ़कर 2.63 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

बाजार गिरने की 3 मुख्य वजहें

- ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर।
- कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी।
- अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 46 पैसे कमजोर होकर 92.28 के स्तर पर पहुंच गया है। यह रुपए का अब तक का सबसे निचला स्तर है। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी की वजह से रुपए में यह कमजोरी आई है।

ईरान जंग से कच्चा तेल 2022 के बाद सबसे महंगा

115 डॉलर के पार निकला, एक्सपर्ट बोले- 150 डॉलर तक पहुंच सकती हैं कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। आज यानी 9 मार्च को ये 25% बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग से कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था। क्रूड ऑयल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत

अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में, ईरान ने कतर, सऊदी अरब और कुवैत की ऑयल फैसिलिटीज पर ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के कारण इन देशों को अपने उत्पादन में कटौती करनी पड़ी है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने धमकी दी है कि वे क्षेत्र के अन्य ऊर्जा ठिकानों को भी निशाना बनाएंगे। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया था कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी जा रही है। इसके लिए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था, लेकिन अमेरिका भारत पर इसकी खरीद रोकने का दबाव बनाता रहा है। पिछले साल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था। हालांकि, इस साल ट्रेड डील के ऐलान के बाद उन्होंने इस टैरिफ को हटा दिया।

पिता बोले- रेप के विरोध में रिटायर्ड अफसर के बेटे ने मार डाला, लखनऊ में 3 घंटे प्रदर्शन

मकान-मालिक के घर मिली 14 साल की मेड की लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में 14 वर्षीय मेड की रिटायर्ड अफसर के घर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने उनके बेटे पर रेप का विरोध करने पर हत्या करने का आरोप लगाया। गुस्साए लोगों ने शव को चौराहे पर रखकर करीब 3 घंटे तक सड़क जाम किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। तब लोग शांत हुए। परिजन शव लेकर गृह जनपद चले गए। घटना 8 मार्च, रविवार को ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बालागंज रेलवे कॉलोनी की है। किशोरी मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली थी। यहां बोकारो स्टील प्लांट से रिटायर्ड अफसर प्रह्लाद अग्रवाल के घर रहकर काम करती थी। प्रह्लाद के परिजनों का

कहना है कि किशोरी ने पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड किया है। बालागंज रेलवे कॉलोनी में प्रह्लाद अग्रवाल पत्नी ऊमा और बेटे राघव अग्रवाल के साथ रहते हैं। राघव नगरीय निकाय निदेशालय में डेटा मैनेजर है। प्रह्लाद को ब्रेन हैमरेज और ऊमा को कैंसर है। राघव की शादी नहीं हुई है। सीतापुर के रेउसा क्षेत्र की रहने वाली 14 साल की किशोरी करीब 6 माह से उनके यहां काम करती थी। वह उन्हीं के घर में रहती थी। उसका परिवार बालागंज में झुग्गी डालकर रहता है। 8 मार्च की सुबह करीब 11 बजे ऊमा ने उसके पिता को कॉल किया। उन्हें बताया कि उनकी बेटी ने सुसाइड कर लिया है। किशोरी पिता और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। किशोरी का शव बेड पर मिला। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। परिजन पोस्टमॉर्टम हाउस से शव लेकर बालागंज पहुंचे।

हत्या को आत्महत्या बताने की कोशिश

पिता ने कहा- राघव ने बेटी की हत्या कर दी। अपने घरवालों के साथ मिलकर हत्या को आत्महत्या साबित करने की कोशिश की। इसके लिए उसकी मां ने मुझे फोन करके बताया कि बेटी ने पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। जबकि हम लोग जब उनके घर पहुंचे तो बेटी का शव बेड पर पड़ा था। पिता ने बताया कि बेटी दो दिन पूर्व मां से मिलने आई थी। बातचीत के दौरान वह परेशान लग रही थी। मां के पूछने पर उसने कुछ नहीं बताया। करीब 2 घंटे रुकने के बाद वह ऊमा के घर लौट गई थी। वह पांच भाइयों में सबसे छोटी थी।

हाथ-पैर बांधने के निशान मिले

किशोरी के पिता ने बताया- बेटी के शरीर पर चोट के निशान थे। हाथ-पैर पर बांधने और गले पर कसाव का निशान था। उन्होंने कहा कि राघव उनकी बेटी पर गलत नजर रखता था। उसे परेशान करता था। बेटी ने इस बारे में घरवालों को बताया था। इसकी शिकायत राघव के मां-बाप से शिकायत की गई थी। उन्होंने कहा कि राघव ने बेटी के साथ रेप करने की कोशिश की।

दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही योगी सरकार

सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध और परिणामोन्मुखी ढंग से कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को सचिवालय स्थित नवीन भवन में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, वित्तीय उपलब्धियां तथा लाभार्थियों तक पहुंच की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचे। इस

प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि ये दोनों विश्वविद्यालय दिव्यांगजन के लिए उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं और इन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडल स्तर पर कार्यशालाएं, जागरूकता कार्यक्रम और प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर इन विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक सुविधाओं, पाठ्यक्रमों और अवसरों की जानकारी दिव्यांग छात्रों तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से जुड़ सकें। इसके साथ ही उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों में रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री कश्यप ने कहा कि योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना तभी तय होता है जब उसका सीधा लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। उन्होंने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा अपेक्षित प्रगति न करने वाले जनपदों में जिलाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य निधि का उपयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ दिव्यांगजनों के हित में किया जाए। साथ ही राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों और उनके निस्तारण की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

फास्ट न्यूज

कुल्हाड़ी से पत्नी को काट डाला

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र के शेखन खेड़ा गांव में रविवार देर रात घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक मजदूर ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

राहुल गांधी की नागरिकता मामले में हुई सुनवाई

लखनऊ। रायबरेली सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े मामले में आज इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार से जांच की वर्तमान स्थिति पर पक्ष रखने की उम्मीद है। इस मामले में भाजपा सदस्य विग्नेश शिशिर ने याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से करीब 3 घंटे तक विस्तृत बहस की गई थी। इसमें आधा घंटे लंच से पहले और लगभग ढाई घंटे लंच के बाद बहस हुई। याचिका में विशेष सांसद-विधायक अदालत द्वारा 28 जनवरी 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कोतवाली थाना, रायबरेली को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग खारिज कर दी गई थी।

व्यापारियों ने नगर निगम मुर्दाबाद के नारे लगाए

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी-नगर में व्यापारी नगर निगम और नगर आयुक्त से काफी नाराज हैं। सोमवार जमकर प्रदर्शन करते हुए मुर्दाबाद के नारे लगाए। जलभराव से बिक्री प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन बाग नंबर-3 के व्यापारियों ने किया। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल एयरपोर्ट शाखा के बैनर तले व्यापारियों ने एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास इकट्ठा होकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

याची लाभ देकर मामले का निस्तारण किया जाए :भास्कर सिंह

69000 सहायक शिक्षक भर्ती के आरक्षण पीड़ित याची अभ्यर्थियों ने बैठक की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 69000 सहायक शिक्षक भर्ती के आरक्षण पीड़ित याची अभ्यर्थियों ने आज शालीमार पार्क में पिछडा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप एवं प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह के नेतृत्व में टीम के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली महत्वपूर्ण सुनवाई को लेकर रणनीति बनाई गई ताकि उत्तर प्रदेश सरकार 19 मार्च को आरक्षित वर्ग के याची बने अभ्यर्थियों के पक्ष में सुप्रीमकोर्ट में याची लाभ का प्रस्ताव पेश कर इस मामले का निस्तारण करें ताकि जल्द से जल्द आरक्षण पीड़ित यांची अभ्यर्थियों को याची लाभ के माध्यम से इस भर्ती में नौकरी मिल सके क्योंकि इस भर्ती में आरक्षण घोटाले का यह मामला वर्ष 2020 से लगातार चलता आ रहा है और 6 वर्ष बाद भी आरक्षण पीड़ित याची अभ्यर्थियों को अभी तक इस भर्ती में न्याय नहीं मिला है और वह सरकार से इस भर्ती में याची लाभ

देकर इस मामले का निस्तारण कर दिया जाए यह मांग लगातार पिछले 6 साल से कर रहे हैं । बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी टीम के सदस्यों के साथ 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर रणनीति पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप एवं प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह ने बताया कि वह किसी भी राजनीतिक पार्टी से कोई संबंध नहीं रखते हैं और ना ही वह यह चाहते हैं।

केशव और ब्रजेश पाठक एक घंटे तक फ्लाइट में फंसे

इंडिगो के विमान से कोलकाता जा रहे थे, लखनऊ में आई तकनीकी खराबी

- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य कोलकाता पहुंच गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को करीब 1 घंटे तक इंडिगो की फ्लाइट में फंसे रहे। दोनों लखनऊ एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर कोलकाता जा रहे थे। टेकऑफ से ऐन पहले पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का पता चला। उसने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी। इंजीनियरिंग टीम को बुलाया। करीब एक घंटे तक विमान की जांच की गई। इसके बाद फ्लाइट कोलकाता के लिए रवाना हुई। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट संख्या

6E-505 को सुबह 7:40 बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कोलकाता (CCU) के लिए रवाना होना था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। दोनों डिप्टी CM भी फ्लाइट में थे। तभी कुछ तकनीकी समस्या की वजह से फ्लाइट डिले होती गई। गड़बड़ी ठीक होने तक दोनों डिप्टी सीएम और यात्रियों को विमान में ही बैठे रहना पड़ा। करीब एक घंटे बाद सुबह 8:59 बजे विमान ने उड़ान भरी। विमान 10.17 बजे कोलकाता में लैंड हुआ। बताया गया कि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य कोलकाता में भाजपा की बैठक में शामिल होने गए हैं। वहां पश्चिम बंगाल के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन होगा। बैठक में देशभर से भाजपा पदाधिकारी पहुंचे हैं।

उन्नाव में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा, भाई ने मानसिक बीमारी बताई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमालनगर गैर-एहतमाली गांव में सोमवार दोपहर एक अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। किसानों ने गौशाला के समीप बाग में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान राजेंद्र पाल (55) के रूप में हुई, जिसके छोटे भाई ने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से मानसिक रूप से बीमार थे। सोमवार दोपहर करीब दो बजे किसानों ने जमालनगर गैर-एहतमाली गौशाला के पीछे एक पेड़ से शव लटकता देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सोशल मीडिया के माध्यम से शिनाख्त का प्रयास किया। कोतवाली क्षेत्र के मरौंदा सूचित निवासी मनोज पाल ने शव की पहचान अपने बड़े भाई राजेंद्र पाल पुत्र राजकुमार के रूप में की। मनोज पाल ने पुलिस को बताया कि उनके भाई राजेंद्र पाल पिछले

10 वर्षों से मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे और किसानी का काम करते थे। सोमवार सुबह वह दाढ़ी बनवाने के लिए नाई की दुकान पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एस.एन. त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के भाई ने अपनी तहरीर में राजेंद्र पाल के मानसिक रूप से बीमार होने की जानकारी दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

काले कपड़े पहनकर शियाओं का जुलूस

19वीं रमजान का मातम, सड़कों पर हजारों अकीदतमंद, ताबूत छूने की होड़

- गिलीम के जुलूस में करीब 25 हजार लोग शामिल हुए।
- सआदतगंज स्थित कूफा मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद जुलूस की शुरुआत हुई।
- जुलूस की सुरक्षा-व्यवस्था के मद्देनजर आरएफ की महिला टुकड़ी भी तैनात रही।

तमसा संकेत, एजेंसी

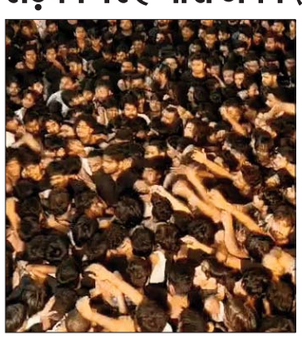

लखनऊ। लखनऊ में अकीदत और नम आंखों से 19वीं रमजान पर गिलीम (कंबल के ताबूत) का जुलूस निकाला गया। 4 किलोमीटर लंबे जुलूस में शिया समुदाय के करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। पुरुष-महिलाओं और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी काले कपड़े पहने नजर आए। उनके बीच ताबूत को एक नजर देखने, छूने और चूमने की होड़ मची रही। जुलूस निकलने से पहले सआदत-गंज स्थित कूफा मस्जिद में मजलिस हुई। नमाज अदा की गई। शिया समुदाय के लोगों ने दुआ मांगी। फिर जुलूस शुरू हुआ। जुलूस टूरियागंज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। RAF और CRPF ने मोर्चा संभाले रखा। ड्रोन और CCTV कैमरों से निगरानी हुई। जिन रास्तों से जुलूस निकला, वहां इमारतों की छत पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। बता दें कि 19वीं रमजान को हजरत अली जब नमाज के लिए मस्जिद पहुंचे तो उनके ऊपर पहला तलवार से हमला हुआ था। इसके बाद 21वें रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उसी घटना को याद करते हुए जुलूस निकाला जाता है। जुलूस टूरियागंज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचकर समाप्त हुआ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- 1400 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सन 40 हिजरी में हजरत अली जब नमाज के लिए इराक की मस्जिद पहुंचे थे तो उनके ऊपर हमला हुआ था। सिर के ऊपर चोट लगी थी। इसके बाद 21 रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा- हजरत अली के अनुसार अगर लोग चलें तो कोई भी दुनिया में भूख ना रहे। कोई भी व्यक्ति बिना कपड़ों के या बिना मकान के ना रहे। पूरी दुनिया से अपील करना चाहता हूं कि अगर आतंकवाद के विरुद्ध आवाज उठाना है तो पहले उस आतंकी हमले का विरोध होना चाहिए जिस में हजरत अली की शहादत हुई।

कार्यवाई : कहा- यात्रा सीतापुर पहुंचने से रोकी जाए, पीड़ित बटुक दहशत में

शंकराचार्य के खिलाफ फिर पॉक्सो कोर्ट पहुंचे आशुतोष महाराज

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ एक बार फिर आशुतोष महाराज कोर्ट पहुंचे हैं। सोमवार को प्रयागराज स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में वाद दायर कर 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा' रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा- शंकराचार्य को सीतापुर पहुंचने से रोका जाए, क्योंकि उनके खिलाफ बयान दर्ज कराने वाले बटुक पड़ोसी हरदोई जिले के हैं। यात्रा से बटुक दहशत में हैं।

इसी कोर्ट में आशुतोष महाराज ने अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से यौन उत्पीड़न का वाद दाखिल किया था। दरअसल, शंकराचार्य ने 7 मार्च को काशी से अपनी यात्रा शुरू की थी।

यात्रा रायबरेली, उन्नाव होते हुए आज शाम को सीतापुर पहुंचेगी। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर यह यात्रा 11 मार्च को लखनऊ में समाप्त होगी। उधर, आशुतोष महाराज पर रविवार को चलती ट्रेन में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने वारदात के वक्त ट्रेन में मौजूद 4 यात्रियों से पूछताछ भी की है। हालांकि, पूछताछ में क्या जानकारी सामने आई है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

आशुतोष महाराज रीवा एक्सप्रेस से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहे थे। उनका रिजर्वेशन एसी फर्स्ट में था। सिराथू रेलवे स्टेशन के पास टॉयलेट के पास उन पर अज्ञात शख्स ने हमला किया था। धारदार हथियार से नाक काटने की कोशिश की थी। आशुतोष महाराज वही हैं, जिन्होंने शंकराचार्य के खिलाफ बटुकों से यौन उत्पीड़न की FIR दर्ज करवाई थी।

आशुतोष महाराज ने बताया था- मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट एसी कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। गेट के पास एक आदमी खड़ा था। जैसे ही मैं आगे बढ़ा, उसने पीछे से मुझ पर हमला कर दिया। उसने धारदार हथियार से मेरी नाक काटने की कोशिश की और चेहरे व हाथ पर कई वार किए। इससे मुझे गंभीर चोटें आईं और काफी खून बहा। वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से उन्होंने जीआरपी को फोन कर घटना की जानकारी दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान जंग पर...

खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- विपक्ष को दोनों सदनों में हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन उन्होंने US-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, विवाद पर भारत का रुख साफ है, हम चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो और शांति बनी रहे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- राहुल गांधी विपक्ष के ऐसे नेता हैं जिनके बारे में अगर मैं कुछ हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करूंगा, तो वे बिहार में इस्तेमाल होने वाली भाषा में बहुत अपमानजनक लगेंगे और मैं उस लेवल पर नहीं जाना चाहता। बिहार में 'विशेषर का डांस' नाम का एक मशहूर परफॉर्मेंस होता था और वह उसी के एक कैरेक्टर जैसे हैं। जो लोग बिहार और उसके एक्सप्रेशन को समझते हैं, वे समझ जाएंगे कि मेरा क्या मतलब है, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- विपक्ष से सदन में इस तरह के व्यवहार की उम्मीद कभी नहीं थी। सदन को चलने नहीं देना जनता के अधिकारों को छीनने जैसा है। आप 'अबोध बालक' हैं और आप ऐसे ही रह सकते हैं। सदन में प्लेकार्ड दिखाने का मतलब है कि आपको जवाब नहीं चाहिए, बल्कि आप सिर्फ हंगामा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन इतने जरूरी मुद्दे पर डिस्कशन होना था, विपक्ष ने डिबेट से भागने का फैसला किया, क्योंकि वे साफ तौर पर जानते हैं कि स्पीकर को पूरे हाउस का कॉन्फिडेंस है। यहां तक कि उनके अपने अलायंस के मेंबर भी इस डिबेट से बच रहे हैं। I.N.D.I अलायंस के अंदर अफरा-तफरी है और कोई भी कांग्रेस को सपोर्ट करने को तैयार नहीं है। इसीलिए वे एक और मोशन लाकर आज की बहस से भागने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी विपक्ष के एक फेल लीडर हैं। उन्हें संविधान या नैतिकता की समझ नहीं है। उन्हें पार्लियामेंट्री प्रोसेस, प्रोसीजर या रूल बुक में कोई दिलचस्पी नहीं है। जिस तरह से वे काम करते हैं, उससे साफ पता चलता है कि कांग्रेस एक दिशाहीन और पूरी तरह से फेल विपक्षी पार्टी है। LJP सांसद शांभवी चौधरी ने कहा- जिस जियोपॉलिटिकल सिचुएशन पर विदेश मंत्री पहले ही बयान दे चुके थे, उस पर हंगामा करना विपक्ष का गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव दिखाता है। वे उसी मुद्दे पर उनका बयान सुनने को भी तैयार नहीं थे जिस पर वे चर्चा की मांग कर रहे थे। कांग्रेस MP केसी वेणुगोपाल ने कहा- हमें वेस्ट एशिया में युद्ध के हालात और फ्यूल की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत है।

बंगाल पहुंचे...

रविवार को पश्चिम बंगाल के स्थानीय लोग न्यू टाउन में एक प्राइवेट होटल के सामने इकट्ठा हुए, उन्होंने 'गो बैक, ज्ञानेश कुमार, डेमोक्रेसी के हत्यारे' लिखी टीशर्ट पहनी थी। जब चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर SS संधू, विवेक जोशी और सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गार्ड और पवन कुमार के साथ CEC ज्ञानेश कुमार कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, तो प्रदर्शनकारी वहां भी पहुंच गए। कोलकाता पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने काफिले की गाड़ियों के पास जाने से रोका। चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर SS संधू और विवेक जोशी सोमवार को मान्यता प्राप्त नेशनल और स्टेट पार्टियों के डेलीगेशन से मिल रहे हैं ताकि चुनाव कराने के बारे में उनकी चिंताओं और सुझावों को सुना जा सके। BJP डेलीगेशन ने असेंबली चुनाव से पहले राज्य में सुरक्षा माहौल पर चिंताओं को बताते हुए 16-पॉइंट का मांग पत्र सौंपा। इलेक्शन कमीशन को पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव में हिंसा न हो, इसके लिए कदम उठाने चाहिए। BJP ने प्रस्ताव दिया कि जिस भी बूथ पर 85 परसेंट से ज़्यादा पोलिंग हो या पिछले चुनावों के दौरान या बाद में हिंसा का रिकॉर्डेड इतिहास हो, उसे अपने आप सेंसिटिव माना जाना चाहिए और उसे एक्स्ट्रा सुरक्षा दी जानी चाहिए।

दिल्ली से...

नॉर्मल हालात में फ़्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस Flightradar24 के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइच 6E33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनिफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आया। Flightradar24 के मुताबिक, एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि मिडिल ईस्ट और उसके आस-पास के बदलते हालात की वजह से, हमारी कुछ फ्लाइट्स लंबे रूट ले सकती हैं या उनका रूट बदल सकता है। एयरलाइन ने कहा कि वह अभी अधिकारियों के साथ मिलकर यह तय कर रही है।

गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में शामिल होगी अखण्ड आर्यावर्त महासभा

स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के सानिध्य में 11 मार्च को काशीराम उपवन पहुंचेगी यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के सानिध्य में आगामी 11 मार्च को अपराह्न एक बजे काशी राम स्मृति सांस्कृतिक उपवन, पासी किला चौराहा, लखनऊ पहुंच रही गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद बताया कि गोमाता को राज्यमाता घोषित कर प्रदेश में पूर्णतया गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर निकाली जा रही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में इस यात्रा की शुरूआत करने के लिये काशी के केदारघाट पर गंगा मां की विधिवत आरती के साथ शुक्रवार को की गयी और आज सुबह श्रीचिंतामणि गणेश और संकटमोचन मंदिर में पूजा करने के बाद यात्रा लखनऊ के लिए शुरू हो गयी।

शंकराचार्य चार दिनों में छह जिलों में दर्जनभर से अधिक स्थानों पर गो रक्षा के लिए सभाएं करेंगे। वह जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव, लखीमपुर खीरी होकर 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने संगठन ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों और नगर इकाईयों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया है कि आगामी 11 मार्च को अधिक से अधिक संख्या में काशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन पहुंचे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676